

11/12/20

पत्रांत पत्रांतुवी नदीक रुपं रीत हुआ।
 पुनः वारि-वारि आवण ललवारि गळ।
 नदीक रुपं रीत हुआ। असे पत्रावण
 आसत एतल म कारिण को पत्रावण
 पत्रावण म ठरव वुधत शिव
 सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते
 Web Copy - Not Official

